केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
स्वच्छता पाखावाड़ा १६ से ३१ दिसंबर २०२०

दिनांक १६ से ३१ दिसंबर २०२० स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इसके अंतर्गत संस्थान के मुख्यालय एवं केंद्रों पर निम्नलिखित कार्यक्रम किये गए।

१६ दिसंबर २०२० शपथ ग्रहण, वृक्षारोपण, बैनर प्रदर्शन और पखवाड़े का कार्यक्रम कैलेंडर

स्वच्छता पखवाड़े का आरंभ करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ गोपाल कृष्णा ने समस्त कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और संस्थान के केन्द्रों पर भी अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों को स्वच्छ्ता कि शपथ दिलाई और वृक्षारोपण किया। डॉ गोपाल कृष्णा ने समस्त कर्मचारियों को बताया कि कोविड महामारी से बचने में सफ़ाई का बड़ा महत्व है और इसे जीवन में अपनाना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त सिंगल यूस प्लास्टिक के बहुत दुष्परिणाम हैं और इसका प्रयोग न्यूनतम रखने में सब अपना योगदान दें । उन्होनें इस बात पे ज़ोर दिया कि निवासो और छात्रावासों में शुष्क और गीले अपशिष्टों को पृथक रखने का सिलसिला जारी रखा जाये। इस अवसर पर स्वच्छता सम्बन्धी बैनर प्रदर्शित किए गए। स्वच्छता पखवाड़े की समन्वयक डा. अपर्णा चौधरी ने पखवाड़े के कार्यक्रम से सबको अवगत कराया। संस्थान और केंद्र मिला कर लगभग 1000 लोगों ने शपथ ली ।

१७ दिसंबर २०२० संस्थान के प्रशासनिक विभाग में सफाई अभियान

संस्थान के प्रशासनिक विभाग में सफाई अभियान का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व डा. एन. एस. नागपुरे (प्रभारी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी) एवं श्री प्रशांत शर्मा (चीफ वित्त एवं लेखा अधिकारी), (वित्त प्रशासनिक अधिकारी) श्री दिपक भोकसे ने किया। साथ ही सभी वर्क्स अनुभाग, खरीदारी अनुभाग, वित्त अनुभाग, लेखा परीक्षा अनुभाग के सारे कर्मचारियों ने भी इसमें अपना सहयोग दिया और अपने अपने कार्य क्षेत्र की सफाई की । इस आयोजन में लगभग 100 लोगो ने सहभाग लिया। इस आयोजन में सभी ने अपनी मेज़ें और आसपास की जगह साफ़ की और फाईले साफ़ कर उनका रख रखाव उचित ढंग से किया । व्यर्थ सामान को भी अलग जगह एकत्रित किया गया जिससे कामकाजी जगह उपलब्ध हो पायी। अब ऑफिस का सारा कार्य ई - ऑफिस प्लेटफार्म पर किया जाता है, जिसके कारण कागज़ और प्रिंटिंग की ज़रुरत कम हो गयी है।

१८ दिसंबर २०२० मेरा गाँव मेरा गौरव द्वारा गोद लिए गए गांवों में मुख्यालय और केंद्रों द्वारा स्वच्छता अभियान

के .स .शि .मा .मे दिनांक 18 दिसंबर 2020 को संस्थान के केंद्रों में 'मेरा गाँव मेरा गौरव' कार्यक्रम के तहत स्वच्छता सम्बंधित आयोजन किये गए। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छता, शारीरिक दूरी, और मास्क के उपयोग के प्रति जागरूक करना था, जिससे COVID-19 महामारी से निपटा जा सके। इस कार्यक्रम मे ग्रामीणों को फेस मास्क और हैंड सैनिटाइज़र दिए गए। उनके घर और पड़ोस के क्षेत्र को भी स्प्रेयर से साफ किया गया था। स्वच्छ्ता अभियान को लेकर एक जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस रैली मे स्कूल के छात्रों ने भी अपना योगदान दिया। यह कार्यक्रम कोविड प्रोटोकॉल के नियमों को ध्यान मे रखते हुए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय के .स .शि .मा .केंद्रों के प्रभारी डॉ. जी. एच. पाइलन, डॉ. मुरलीधर पी. ए., डॉ. सुनील कुमार नायक और डॉ अकलाकुर ने किया। इस अभियान से संस्थान और केंद्र मिला कर लगभग 2000 लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए ।

१९ दिसंबर २०२० छात्रावास, अवासीय परिसर और अतिथि गृह में स्वच्छता अभियान

संस्थान के छात्रावास, आवासीय परिसर और अतिथि गृह में स्वच्छता अभियान किया गया। आवासीय परिसर में रहने वाले सभी अधिकारी और कर्मचारी के साथ परिसर में सफाई के महत्व पर एक संक्षिप्त चर्चा की गई। इसके अलावा, इस बात पर ज़ोर दिया गया कि कार्यालय तथा परिसर में उपयुक्त रणनीति का पालन कर शुष्क और गीले अपशिष्ट के निपटान को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। छात्रावास, आवासीय परिसर और अतिथि गृह में स्वच्छता के महत्व को प्रदर्शित करने वाले सूचनात्मक प्लेकार्ड और बैनर उचित स्थानों पर रखे गए। इसके बाद आवासीय परिसर में सफाई अभियान शुरु किया गया, जिसमें लगभग 100 लोगो ने सक्रिय रुप से भाग लिया। डा. रूपम शर्मा, डा. गायत्री त्रिपाठी, डा. आशा लांडगे, डा. शशि भूषण, डा. लायना पी, ने इस अभियान का आयोजन किया और श्री शुभाष चंद, श्री सादिक मुल्ला, श्री प्रणय बिस्वाल और श्री पी. सोनावणे ने अपना सहयोग दिया।

२१ दिसंबर २०२० पानी की बचत और अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण के बारे में जागरूकता अभियान

संस्थान में अपराहन २ बजे पानी की बचत और अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण के बारे में जागरूकता अभियान के तहत ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे डा. ए. के. वर्मा द्वारा

एक्वापोनिक्स: मछली और पौधों का एकीकरण और डा. एस. पी. शुक्ला द्वारा क्षारीय उत्पादन के लिए एक्वाकल्चर अपशिष्ट जल का उपयोग और पुनर्चक्रण में अपना वक़्तव्य दिया। यह बताया गया कि पानी को कम से कम प्रयोग में लेकर ज्यादा से ज्यादा मछली एवं पौधों का उत्पादन कैसे किया जाये जिससे किसान अपनी आय बढ़ा सकता है।

इस कार्यक्रम में एन.एस .ई . रत्नम कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, भाँडुप, मुंबई, गुरु नानक खालसा कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, माटुंगा पूर्व, मुंबई और सर सीताराम और लेडी शांताबाई पाटकर कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, एस. वी. रोड, गोरेगांव (पश्चिम), मुंबई के विद्यार्थी एवं अध्यापको ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का यु-टुब के जरिये लाइव प्रसारण भी किया गया और कुल 100 लोगों ने भाग लिया।

२२ दिसंबर २०२० "अनुपयोगी से उपयोगी" के विषय पर वेबिनार का आयोजन

संस्थान में शाम ४:०० बजे "अनुपयोगी से उपयोगी" विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया। इस वेबिनार में (Sampurn Earth Solutions Pvt. Ltd.) सम्पूर्ण पृथ्वी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के श्री. मनोज मिश्रा, ने व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया की किस तरह की बेकार वस्तुओं को पुनः चक्रण करके उपयोगी वस्तुएं बनायी जा सकती हैं और प्रत्येक व्यक्ति किस प्रकार इस प्रक्रिया में अपना योगदान दे सकता है। उन्होंने संस्थान के छात्र और कर्मचारियों को अनुपयोगी सामग्री को उपयोग में लाने के लिए प्रेरित किया और इसके तरीके बताये। कुल 100 लोगों ने भाग लिया।

२३ दिसंबर २०२० किसान दिवस

संस्थान के पवारखेड़ा केंद्र में किसान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के गाँव मे जाकर लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे मे जागृत किया गया। "मेरा गाँव मेरा गौरव योजना" के अंतर्गत गोद लिए गए नीटाया गाँव मे किसान दिवस के अवसर पर एक सम्मेलन किया गया, जिसमे गाँव के सरपंच और उपस्थित लगभग 50 किसानों को भारत सरकार द्वारा प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना के बारे मे जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम मे ग्राम पंचायत नीटाया की सरपंच श्रीमति पटेल और सचिव श्री रामाधार मालवीय ने किसानो को सरकार द्वारा दी गयी योजनाओं के बारे मे बताया। इसी कार्यक्रम मे पवारखेड़ा केंद्र, होशंगाबाद के प्रभारी अधिकारी डा.

एस. के. नायक, श्री एल. पी. बमलिया, श्री हसन जावेद एव श्रीमती आशा धुरवे ने उपस्थित किसानों को स्वच्छता के महत्व के बारे मे और मत्स्य पालन की आधुनिक पद्धति जैसे बायोफ़्लाक और आर. ए. एस., के बारे मे जानकारी दी। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पवारखेड़ा केंद्र द्वारा किसानो को मास्क एव सैनिटाइजर वितरित किये गए। इस कार्यक्रम के उपरांत ग्राम नीटाया की गलियों, सड़कों, मंदिर परिसर, आंगनबाड़ी एव पंचायत भवन परिसर मे केंद्र के समस्त अधिकारियों एव कर्मचारियों द्वारा सफाई करने के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

२४ दिसंबर २०२० वरसोवा गांव में सफाई अभियान

संस्थान के कर्मचारियों द्वारा वरसोवा गांव में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व डा सिकेंद्र कुमार, श्री आबुथागीर इब्राहिम और श्री पवन कुमार ने किया। संस्थान के अन्य कर्मचारियों ने भी इस अभियान में भाग लिया और संस्थान से वेर्सोवा गाँव लैंडिंग सेंटर तक की 2km की दूरी तक मार्च किया । अभियान के दौरान विभिन्न पोस्टर और बैनर प्रदर्शित किए गए। शुष्क और गीले अपशिष्ट को रखने के लिए अलगअलग कूड़ादान- के उपयोग के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। मार्च में 20CIFE कर्मचारियों ने भाग लिया और इस अभियान से लगभग 1000 लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए ।

२५ दिसंबर २०२० वर्सोवा समुद्र तट पर मार्च पास्ट और सफाई अभियान

संस्थान के कर्मचारियों द्वारा वरसोवा समुद्र तट तक मार्च आयोजित किया गया। इस मार्च और अभियान का आयोजन डा विद्या श्री भारती, डा कुंदन कुमार और डा मुजाहिद खान पठान ने किया। सबने प्रातः १०:०० बजे न्यू कैंपस से शुरुआत की और अपने बैनरस्लोगन , और पोस्टर के साथ समुद्र तट तक 1 km मार्च किया। स्लोगन और पोस्टर द्वारा स्वच्छता के महत्व की बात लोगों तक पहुंचाई। कें. मा. शि. संस्थान के कर्मचारियों ने वरसोवा तट पर सफाई अभियान चलाया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। सबने बड़ी मेहनत और उत्साह से प्लास्टिक बैग, बोतलें जैसा कूड़ा एकत्रित करके कूड़ेदानों में फेंका। इस मार्च में 20 लोगों ने भाग लिया और रास्ते और बीच पर लगभग 500 लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए ।

२६ दिसंबर २०२० संस्थान के पास बस्तियों के छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता

संस्थान के पास स्थित बस्ती में रहने वाले छात्रों के लिए स्वच्छता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता रखी गयी। इस प्रतियोगिता का आयोजन डा मेघा बेडेकर, डा किरण रसाल और श्रीमती रेशमा राजे की देखरेख में हुई। इस स्वच्छता अभियान में प्रतिभोगियों और उनके परिवार जनों को अपने घरो में शुष्क और गीले अपशिष्ट अलग करने की सलाह दी और बताया गया कि प्लास्टिक पुनर्चक्रण के लिए यह उनका बहुत बड़ा योगदान होगा। इस प्रतियोगिता में १० बच्चों ने भाग लिया और लगभग 60 बस्ती वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया । सभी बच्चों ने अपने चित्रों में इंद्रधनुषीय रंग बिखेर कर प्रतियोगिता को सफल बनाया।

२७ दिसंबर २०२० केंद्रों द्वारा कृषक समुदाय के लिए अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम

संस्थान के कोलकता केंद्र में २७ दिसंबर, 2020 को पूर्वाह्न 11 बजे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तत्वावधान में प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का समन्वयन कोलकता कार्यालय के प्रभारी डा. जी. एच. पैलन और डा.दिलीप कुमार सिंह ने किया। डा. जी. एच. पैलन, डा. एन. पी. साहू (विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता), डा. एस. एन. ओझा और आमंत्रित वक्ताओं ने सभी प्रतिभागियों, किसानों, उद्यमियों, छात्रों को संबोधित किया और स्वच्छता अभियान एवं प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) के बारे में सबको जानकारी दी। व्यर्थ समझे जाने वाली सामाग्री को कैसे उपयोगी बनाया जा सकता है और उपयोग किए गए जल का किस तरह पुनरूपयोग किया जा सकता है इसके बारे में भी चर्चा हुई।

28.12 अपशिष्ट जल / बागवानी अनुप्रयोग और रसोई उद्यान के पुनर्चक्रण पर अभियान / जागरूकता

संस्थान के छात्रों ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्वच्छता विषय पर इ-पोस्टर बनाये। 10 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया । इसके साथ ही संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रमों का आयोजन डॉ मेघा बेडेकर, डॉ ए. के. वर्मा ,डॉ बाबिता रानी एवं डॉ किरण रसाल ने किया। चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग २५ बच्चों ने प्रत्यश एवं ऑनलाइन माध्यमों से भाग लिया और संस्थान के निदेशक डॉ गोपाल कृष्णा एवं पखवाड़ा समन्वयक डॉ अपर्णा चौधरी ने उनका उत्साहवर्धन किया। सभी प्रतियोगियों ने सुन्दर रंगो और चित्रों द्वारा इस प्रतियोगिता को सफल बनाया।

२९ दिसंबर २०२० गीले कचरे की खाद

संस्थान में गीले अपशिष्ट से खाद बनाने का प्रबंधन किया गया जिसमे पत्ते और रसोई के कचरे के अवशेषों के साथ-साथ बागवानी उद्यान को अलग से एकत्र किया गया। इसके लिए लगभग डेढ़ मीटर गहरे गड्ढे खोदकर खाद तैयार का प्रबंध किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान हमारे परिसर में खाद के लिए लगभग 500 किलोग्राम गीला कचरा परतों में डाला गया। इस अभियान द्वारा भविष्य में परिसर स्थित सभी पेड़ो को पौष्टिक खाद मिलेगी। इस अभियान का नेतृत्व डा. एम. एच. चंद्रकांत और श्री प्रणय बिस्वाल ने किया।

३० दिसंबर २०२० संस्थान के केंद्रों में वृक्षारोपण अभियान

संस्थान के कोलकता केंद्र में सफाई अभियान किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डा. एस. मुनील कुमार और श्री. राजेश महतो ने किया। इस कार्यक्रम में कोलकता केंद्र के मछली संग्रहालय को और मछली के नमूने वाले सभी जार को अच्छी तरह से साफ किया गया। मछली के नमूने के संरक्षण के लिए जार को औपचारिक रूप से भरा गया। इसके साथ ही पवारखेड़ा, केंद्र के परिसर को हरित व आकर्षक बनाने हेतु वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इसका आयोजन केंद्र के प्रभारी डा. सुनील कुमार नायक ने किया। जिसमे सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और फूलों, फलो के पौधों का रोपण किया। संस्थान के अन्य केंद्रों पर भी प्रभारी अधिकारियों ने वृक्षारोपण किया।

३१ दिसंबर २०२० समापन समारोह

स्वच्छता पखवाड़ा के समापन समारोह पर संस्थान के निदेशक डॉ गोपाल कृष्णा ने कर्मचारियों एवं छात्रों को सम्भोदित किया और स्वच्छता की मुहिम को जीवन का हिस्सा बनाने पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सबके योगदान को सराहा। पखवाड़े की समन्वयक डॉ अपर्णा चौधरी ने सभी आयोजकों को समय पर विवरण व छायाचित्र भेजने के लिए धन्यवाद दिया। उनहोंने पुनः सबको याद दिलाया कि प्लास्टिक व किसी भी प्रकार के कूड़े का सृजन न्यूनतम रखने पर ध्यान दें। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया, और सरका और अशोका पेड़ों के पौधे लगाए गए। इसका नेतृत्व डा. चंद्रकांत और श्री प्रणय बिस्वाल ने किया।